बाइबल के यीशु

अलौकिक रविवार
रविवार, 22 फ़रवरी 2026 – उपदेश की रूपरेखा

बाइबल का यीशु ही आज का यीशु है!
क्योंकि बाइबल हमें सिखाती है कि यीशु कल, आज और सर्वदा एक-सा है!

इब्रानियों 13:8
यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एक-सा है।

आज हम यीशु की सेवकाई के कुछ पहलुओं पर विचार करते हैं, यह ध्यान रखते हुए कि आज भी वह उसी प्रकार सेवा करना चाहता है। वास्तव में वह अपने अनुयायियों (विश्वासियों) के द्वारा, पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से, उसी प्रकार सेवा करना चाहता है।

मत्ती 4:23-25
23 यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उनकी सभाओं में उपदेश करता, और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और हर प्रकार की दुर्बलता को दूर करता था।
24 उसका यश सारे सीरिया देश में फैल गया; और लोग सब बीमारों को जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों से पीड़ित थे, और दुष्टात्माओं से ग्रस्त, और मिर्गी वाले, और लकवे के मारे हुए थे, उसके पास लाए; और उसने उन्हें चंगा किया।
25 और गलील और दिकापुलिस और यरूशलेम और यहूदिया और यरदन के पार से बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली।

मत्ती 9:35-36
35 यीशु सब नगरों और गाँवों में फिरता हुआ उनकी सभाओं में उपदेश करता, और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और हर प्रकार की बीमारी और हर प्रकार की दुर्बलता को दूर करता था।
36 जब उसने भीड़ों को देखा तो उसे उन पर तरस आया, क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे जिनका कोई चरवाहा न हो, और वे दुःखी और तितर-बितर थे।

1, बाइबल का यीशु परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करता था

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य (या स्वर्ग के राज्य) के आने की घोषणा की। प्रभु यीशु ने इस घोषणा को आगे बढ़ाया, और पवित्रशास्त्र हमें सिखाता है कि यीशु हर जगह परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करता था और परमेश्वर के राज्य के सत्य और भेदों की शिक्षा देता था।

i, परमेश्वर का राज्य अंधकार के राज्य से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। जब हम परमेश्वर के प्रिय पुत्र के राज्य में आते हैं, तो हम अंधकार की शक्तियों से स्वतंत्र हो जाते हैं। परमेश्वर का राज्य ऐसी सामर्थ्य के साथ आता है जो अंधकार के राज्य को दूर करती, तोड़ती और नष्ट करती है।

ii, परमेश्वर का राज्य धार्मिकता, शांति, आनन्द, जीवन, चंगाई और आशीष है—जो कुछ परमेश्वर है उसका प्रकट होना है, क्योंकि इस राज्य का राजा स्वयं परमेश्वर है।

iii, परमेश्वर का राज्य सबके लिए उपलब्ध और सुलभ है। हम मन फिराव और यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कर सकते हैं। यह सुसमाचार है! हम सब परमेश्वर के राज्य में स्वागतयोग्य हैं।

iv, परमेश्वर के राज्य के सत्य और सिद्धांत इस संसार से बहुत भिन्न हैं। यीशु ने हमें सिखाया कि राज्य के सिद्धांतों के अनुसार कैसे जीवन जीना है।

v, कलीसिया को पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अधिकार दिया गया है। हमें परमेश्वर के राज्य की कुंजियाँ दी गई हैं, और हम अंधकार की शक्तियों के विरुद्ध आगे बढ़ सकते हैं, और अधोलोक के फाटक बढ़ती हुई कलीसिया को रोक नहीं सकते।

बाइबल का यीशु आज भी लोगों का अपने राज्य—परमेश्वर के राज्य—में स्वागत करता है।

2, बाइबल का यीशु हर प्रकार की बीमारी और हर रोग को चंगा करता था

लोग हर प्रकार की बीमारियों से पीड़ित लोगों को उसके पास लाते थे और यीशु उन्हें चंगा करता था। अधिकांश मामलों में वह उनसे केवल विश्वास की अपेक्षा करता था।

[सुसमाचारों में चंगाई की कुछ घटनाओं पर विचार करें]

बाइबल का यीशु आज भी हर प्रकार की बीमारी और रोग को चंगा करता है।

3, बाइबल का यीशु लोगों को दुष्टात्माओं से स्वतंत्र करता था

लोग दुष्टात्माओं से ग्रस्त व्यक्तियों को उसके पास लाते थे और यीशु उन्हें स्वतंत्र करता था।

[सुसमाचारों में छुटकारे की कुछ घटनाओं पर विचार करें]

बाइबल का यीशु आज भी लोगों को दुष्टात्माओं से स्वतंत्र करता है।

4, बाइबल का यीशु लोगों के प्रति करुणा से भर जाता था

प्रभु यीशु लोगों पर करुणा से भर जाता था। उसने लोगों पर दया करके उन्हें चंगा किया और छुटकारा दिया। लोग उसकी दया के लिए पुकारते थे और वह उत्तर देता था।

बाइबल का यीशु आज भी लोगों के प्रति करुणा से भर जाता है और हम पर अपनी दया प्रकट करता है।

सारांश

1, बाइबल का यीशु परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करता था
2, बाइबल का यीशु हर प्रकार की बीमारी और हर रोग को चंगा करता था
3, बाइबल का यीशु लोगों को दुष्टात्माओं से स्वतंत्र करता था
4, बाइबल का यीशु लोगों के प्रति करुणा से भर जाता था

सुसमाचार और उद्धार का आह्वान

अलौकिक सेवकाई का समय

जैसा आत्मा अगुवाई करे वैसा सेवकाई करें

लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका

बाइबल के यीशु

अलौकिक रविवार
रविवार, 22 फ़रवरी 2026 – उपदेश की रूपरेखा

यह लाइफ़ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के उपदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि प्रत्येक व्यक्ति कैसे वचन का करने वाला बन

रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ़ ग्रुप की बैठक सामान्यतः 1.5 **से** 2 **घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ़ ग्रुप में सामान्यतः** 12–15 **लोग होते हैं।**

तैयारी

लाइफ़ ग्रुप लीडर: लाइफ़ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए आप उपदेश सुन सकते हैं या रविवार के उपदेश नोट्स की समीक्षा कर सकते हैं। कृपया लाइफ़ ग्रुप के दौरान पूरे उपदेश नोट्स पढ़ने के लिए समूह को न कहें। आपको केवल नीचे दिए गए शास्त्र संदर्भों को अलग-अलग व्यक्तियों से पढ़वाना है और फिर दिए गए प्रश्नों के माध्यम से चर्चा, साझा करने और सीखने का समय खोलना है। ये सभी संसाधन "ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर" मोबाइल ऐप में या हमारी उपदेश वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। लाइफ़ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।

स्वागत

लाइफ़ ग्रुप बैठक प्रार्थना, आराधना और किसी रोचक गतिविधि के साथ आरम्भ हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें

निम्नलिखित शास्त्र संदर्भ पढ़ें: इब्रानियों 13:8; **मत्ती** 4:23-25; **मत्ती** 9:35-36

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें

लाइफ़ ग्रुप चर्चा-आधारित और सहभागिता से भरी बैठक होती है, जिसमें हर किसी को अपनी सीख साझा करने का अवसर मिलता है। कृपया इनमें से कुछ बातों पर मिलकर चर्चा करें और लोगों को अपने विचार साझा करने के लिए समय दें। हम प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं कि वह समूह चर्चा के दौरान अपनी व्यक्तिगत सीख के नोट्स बनाए।

1, **इब्रानियों** 13:8 **के आधार पर इस कथन पर विचार करें—"बाइबल का यीशु ही आज का यीशु है।" क्या हम वास्तव में विश्वास करते हैं कि जिस यीशु पर हमारा विश्वास है, वह आज भी वही कार्य करेगा जो उसने बाइबल के समय में किए थे?**

1, **बाइबल का यीशु परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करता था**

2, **बाइबल का यीशु हर प्रकार की बीमारी और हर रोग को चंगा करता था**

3, **बाइबल का यीशु लोगों को दुष्टात्माओं से स्वतंत्र करता था**

4, **बाइबल का यीशु लोगों के प्रति करुणा से भर जाता था**

2, **आज की दुनिया में हम लोगों के सामने बाइबल के यीशु का सही और सच्चा प्रतिनिधित्व कैसे करें—ताकि यीशु और मसीही विश्वास के बारे में उनके गलत विचारों/भ्रमों को दूर किया जा सके?**

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (**अधिकतम** 3 **मिनट**) **लेकर एक या दो मुख्य अंतर्दृष्टियाँ साझा करे और बताए कि वह उन्हें अपनी विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में कैसे लागू करता/करती है। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।**

संगति (FELLOWSHIP): **अपने जीवन और आत्मिक यात्रा को साझा करें**

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (**अधिकतम** 3 **मिनट**) **लेकर परमेश्वर के साथ अपनी चाल से जुड़ी कोई बात, वह शिक्षा जो परमेश्वर उसे सिखा रहा है, प्रार्थना के उत्तर की कोई गवाही, या कोई विशेष चुनौती साझा करे जिसके लिए वह प्रार्थना चाहता/चाहती है। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।**

एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें: प्रार्थना और सेवकाई द्वारा

दो या तीन के छोटे समूहों में बँट जाएँ और बारी-बारी से परमेश्वर का धन्यवाद करें और आज जो सीखा गया उसके अनुसार एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करें। पवित्र आत्मा की सुनें। पवित्र आत्मा के वरदानों के प्रवाह की अपेक्षा करें—चंगाई, चमत्कार, भविष्यवाणी आदि के लिए।

फिर से एकत्र होकर इन विषयों के लिए मिलकर प्रार्थना करें:

1, **परिवारों की सुरक्षा और सुदृढ़ता के लिए**

2, **कलीसिया के रूप में हम पर और हमारे द्वारा हमारे शहर और राष्ट्र के बहुतों को आशीष देने के लिए परमेश्वर के पवित्र आत्मा के महान उंडेले जाने के लिए। केवल परमेश्वर के आत्मा का महान कार्य ही हमारे शहर और राष्ट्र को बदल सकता है।**

3, BUILD TO IMPACT **परियोजना के लिए—कि जब हम अपने बाइबल कॉलेज और कलीसिया की सुविधाओं की योजना बनाते और निर्माण करते हैं, तो सभी विवरण भली-भाँति पूरे हों, ताकि हम प्रभु और लोगों की सेवा कर सकें।**

समापन:

मिलकर परमेश्वर का धन्यवाद करते हुए बैठक समाप्त करें।